|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| 22. Dezember 2024 | | | |
| **4. Adventssonntag C** | | | |
| Erste Lesung: Mi 5,1-4a; Zweite Lesung: Hebr 10,5-10; Evangelium: Lk 1,39-45 | | | |
|  |  | |  |
| Eröffnung: | GL 724, 1+2+4 | | Tauet Himmel, den Gerechten |
|  | GL 223, 4 | | Wir sagen euch an |
|  | GL 231 | | O Heiland, reiß die Himmel auf |
|  |  | |  |
| Kyrie: | GL 158 | | Tau aus Himmelshöhn |
|  | GL 163, 3 | | Herr Jesus |
|  | GL 224, 1-3 | | Maria durch ein Dornwald ging |
|  |  | |  |
| Antwortgesang: | Ps 80,2ac u. 3bc.15-16.18-19 | | |
|  | Kehrvers: | |  |
|  | GL 46, 1 | | Lass dein Angesicht |
|  | GL 234, 1 oder 2 | | Ihr Himmel / Rorate caeli |
|  | GL 633, 3 | | Hebt euch, ihr Tore |
|  | oder Lied: | |  |
|  | GL 227, 1-3 | | Komm, du Heiland aller Welt |
|  |  | | |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 3 |  | |
|  | Vers: |  | |
|  | *Maria sagte:* | | |
|  | *Siehe, ich bin die Magd des Herrn;* | | |
|  | *mir geschehe nach deinem Wort.* | | |
|  |  | | |
| Credo: | sprechen |  | |
|  |  |  | |
| Gabenbereitung: | GL 824! | Maria ging hinaus | |
|  | GL 537 | Ave Maria | |
|  | GL 527 | Ave Maria zart | |
|  | GL 224 | Maria durch ein Dornwald ging | |
|  |  |  | |
| Sanctus: | GL 200 | Heilig | |
| Agnus Dei: | GL 218, 5 | Komm, o mein Heiland | |
|  | GL 236, 1-3 | Es kommt ein Schiff | |
|  |  |  | |
| Danksagung: | GL 230, 1-6 | Gott, heilger Schöpfer | |
|  | im Wechsel V/A |  | |
|  | GL 357, 1+2 | Wie schön leuchtet der Morgenstern | |
|  | GL 222, 1+7+9 | Herr, send herab uns deinen Sohn | |
| Schluss: | GL 530, 1+4 | Maria, Mutter unsres Herrn | |
|  | GL 528, 1-3 | Ein Bote kommt | |